# प्रेरितों का विश्वास-कथन

## अध्ययन निर्देशिका

अध्याय
चार

## पवित्र आत्मा

THIRD MILLENNIUM
MINISTRIES
Biblical Education. For the World. For Free.

For videos, manuscripts, and other resources, visit Third Millennium Ministries at thirdmill.org.

विषय-वस्तु

इस अध्याय को कैसे इस्तेमाल करें और अध्ययन निर्देशिका ..... 3

नोट्स ..... 4

1. परिचय (1:01) ..... 4

2. ईश्वरत्व (2:41) ..... 4

A. प्रेरितों का विश्वास-कथन (3:10) ..... 4
1. संरचना (5:05) ..... 4
2. मरियम द्वारा यीशु का गर्भधारण (8:15) ..... 4

B. बाइबल पर आधार (10:06) ..... 5
1. नाम (11:25) ..... 5
2. चरित्र (15:44) ..... 6
3. कार्य (21:21) ..... 7
4. विधियाँ (25:34) ..... 8

3. व्यक्तित्व (28:20) ..... 9

A. चरित्र (30:27) ..... 9

B. भिन्नता (38:08) ..... 10

C. संबंध (43:44) ..... 10

4. कार्य (48:38) ..... 11

A. सृजनात्मक शक्ति (50:04) ..... 11
1. प्राकृतिक जगत (51:48) ..... 12
2. आत्मिक वरदान (55:18) ..... 13
3. व्यक्तिगत नवीनीकरण (1:01:02) ..... 14

B. पवित्रीकरण (1;04:29) ..... 15

C. अनुग्रह (1:08:52) ..... 16
1. सामान्य अनुग्रह (1;09:07) ..... 16
2. वाचा का अनुग्रह (1:11:46) ..... 17
3. उद्धाररुपी अनुग्रह (1:16:20) ..... 17

D. प्रकाशन (1:19:39) ..... 18
1. सामान्य प्रकाशन (1:20:50) ..... 18
2. विशेष प्रकाशन (1:23:16) ..... 18
3. प्रज्जवलित करना और आंतरिक अगुवाई देना (1:25:39) ..... 20

5. उपसंहार (1:32:02) ..... 21

पुनर्समीक्षा के प्रश्न ..... 22

उपयोग के प्रश्न ..... 27


© 2010 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

# इस अध्याय को कैसे इस्तेमाल करें और अध्ययन निर्देशिका

इस अध्ययन निर्देशिका को इसके साथ जुड़े वीडियो अध्याय के साथ इस्तेमाल करने के लिए तैयार किया गया है। यदि आपके पास वीडियो नहीं है तो भी यह अध्याय के ऑडियो और/या लेख रूप के साथ कार्य करेगा। इसके साथ-साथ अध्याय और अध्ययन निर्देशिका की रचना सामूहिक अध्ययन में इस्तेमाल किए जाने के लिए की गई है, परन्तु यदि जरुरत हो तो उनका इस्तेमाल व्यक्तिगत अध्ययन के लिए भी किया जा सकता है।

---

- **इससे पहले कि आप वीडियो देखें**
    - **तैयारी करें** — किसी भी बताए गए पाठन को पूरा करें।
    - **देखने की समय-सारणी बनाएं** — अध्ययन निर्देशिका के नोट्स के भाग में अध्याय को ऐसे भागों में विभाजित किया गया है जो वीडियो के अनुसार हैं। कोष्ठक में दिए गए समय कोड्स का इस्तेमाल करते हुए निर्धारित करें कि आपको देखने के सत्र को कहाँ शुरू करना है और कहाँ समाप्त। IIIM अध्याय अधिकाधिक रूप में जानकारी से भरे हुए हैं, इसलिए आपको समय-सारणी में अंतराल की आवश्यकता भी होगी। मुख्य विभाजनों पर अंतराल रखे जाने चाहिए।
- **जब आप अध्याय को देख रहे हों**
    - **नोट्स लिखें** — सम्पूर्ण जानकारी में आपके मार्गदर्शन के लिए अध्ययन निर्देशिका के नोट्स के भाग में अध्याय की आधारभूत रूपरेखा रहती है, इसमें हर भाग के आरंभ के समय कोड्स और मुख्य बातें भी रहती हैं। अधिकांश मुख्य विचार पहले ही बता दिए गए हैं, परन्तु इनमें अपने नोट्स अवश्य जोड़ें। आपको इसमें सहायक विवरणों को भी जोड़ना चाहिए जो आपको मुख्य विचारों को याद रखने, उनका वर्णन करने और बचाव करने में सहायता करेंगे।
    - **टिप्पणियों और प्रश्नों को लिखें —** जब आप वीडियो को देखते हैं तो जो आप सीख रहे हैं उसके बारे में आपके पास टिप्पणियां और/या प्रश्न होंगे। अपनी टिप्पणियों और प्रश्नों को लिखने के लिए इस रिक्त स्थान का प्रयोग करें ताकि आप देखने के सत्र के बाद समूह के साथ इन्हें बाँट सकें।
    - **अध्याय के कुछ हिस्सों को रोकें/पुनः चलाएँ** — अतिरिक्त नोट्स को लिखने, मुश्किल भावों की पुनः समीक्षा के लिए या रुचि की बातों की चर्चा करने के लिए वीडियो के कुछ हिस्सों को रोकना और पुनः चलाना सहायक होगा।
- **वीडियो को देखने के बाद**
    - **पुनर्समीक्षा के प्रश्नों को पूरा करें** — पुनर्समीक्षा के प्रश्न अध्याय की मूलभूत विषय-वस्तु पर निर्भर होते हैं। आप दिए गए स्थान पर पुनर्समीक्षा के प्रश्नों का उत्तर दें। ये प्रश्न सामूहिक रूप में नहीं बल्कि व्यक्तिगत रूप में पूरे किए जाने चाहिए।
    - **उपयोग प्रश्नों के उत्तर दें या उन पर चर्चा करें** — उपयोग के प्रश्न अध्याय की विषय-वस्तु को मसीही जीवन, धर्मविज्ञान, और सेवकाई से जोड़ने वाले प्रश्न हैं। उपयोग के प्रश्न लिखित सत्रीय कार्यों के रूप में या सामूहिक चर्चा के रूप में उचित हैं। लिखित सत्रीय कार्यों के लिए यह उचित होगा कि उत्तर एक पृष्ठ से अधिक लम्बे न हों।

© 2013 by Third Millennium Ministries
www.thirdmill.org

# नोट्स

## 1. परिचय (1:01)

प्रेरितों का विश्वास-कथन एक पंक्ति में प्रत्यक्ष रूप से पवित्र आत्मा के विषय को संबोधित करता है।

## 2. ईश्वरत्व (2:41)

### A. प्रेरितों का विश्वास-कथन (3:10)

प्रेरितों का विश्वास-कथन पवित्र आत्मा के ईश्वरत्व की पुष्टि करता है।

#### 1. संरचना (5:05)

त्रिएकतारुपी संरचना पवित्र आत्मा को महत्वपूर्ण रूपों में पिता और पुत्र के समान प्रकट करती है।

#### 2. मरियम द्वारा यीशु का गर्भधारण (8:15)

“पवित्र आत्मा के द्वारा गर्भधारण हुआ” :

- स्पष्ट रूप से आत्मा के ईश्वरत्व की घोषणा नहीं करता है, परन्तु
- बलपूर्वक दर्शाता है कि पवित्र आत्मा पूर्ण रूप से ईश्वरीय है
- लूका 1:35 की ओर संकेत करता है (“परमप्रधान की सामर्थ”)


© 2010 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

## B. बाइबल पर आधार (10:06)

हम विश्वास-कथन को पवित्रशास्त्र का सारांश मानते हैं, न कि पवित्रशास्त्र का स्थानापन्न

### 1. नाम (11:25)

वह नाम जो सबसे अप्रत्यक्ष रूप में उसके ईश्वरत्व को प्रकट करता है वह नाम है, पवित्र आत्मा।

जो नाम सातत्य पर अप्रत्यक्ष और बहुत अधिक प्रत्यक्ष के बीच में पाए जाते हैं वे हैं :

- प्रभु का आत्मा
- परमेश्वर का आत्मा
- जीवित परमेश्वर का आत्मा
- यीशु का आत्मा
- मसीह का आत्मा
- तुम्हारे पिता का आत्मा
- उसके पुत्र का आत्मा
- उसका आत्मा जिसने यीशु को मृतकों में से जिलाया


© 2010 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

प्रेरितों के काम 5:3-4 स्पष्ट रूप से पवित्र आत्मा को प्रत्यक्ष रूप से “परमेश्वर” के नाम के द्वारा दर्शाता है।

## 2. चरित्र (15:44)

बाइबल पवित्र आत्मा के साथ ईश्वरीय चरित्रों को जोड़कर उसके ईश्वरत्व को प्रकट करता है।

### a. सूचनीय

ऐसे चरित्र जो किसी प्रकार से परमेश्वर के लोगों को “बताए” या उनके साथ “बांटे” जा सकें :

- तर्क-शक्ति

- प्रेम

### b. असूचनीय

वे चरित्र जो उसके लोगों के साथ बांटे नहीं जा सकते :

- सर्वज्ञानी


© 2010 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

- सर्वसामर्थी

- सर्वत्र विद्यमान

- अनंतता

## 3. कार्य (21:21)

पवित्र आत्मा के कार्य उसके ईश्वरत्व को प्रकट करते हैं।

पवित्र आत्मा ऐसे कई कार्य करता है जो केवल परमेश्वर कर सकता है :

- हमारी आत्माओं को नया करता है

- पिता तक पहुंचाता है

- उद्धार को लागू करता है

- चमत्कार के लिए सामर्थ देता है


© 2010 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

- पवित्रशास्त्र को लिखने में प्रेरणा दी

  पवित्र आत्मा का वचन परमेश्वर का वचन है।

- सहायक
  - सत्य को प्रकट करता है
  - पाप के संसार को दोषी ठहराता है
  - यीशु की गवाही देता है

## 4. विधियाँ (25:34)

त्रिएकतावादी विधि : पवित्रशास्त्र का एक अनुच्छेद जो त्रिएकता के तीनों व्यक्तित्वों का एकसमान स्तर पर स्पष्ट रूप से उल्लेख करता है।

उदाहरण :

- मत्ती 28:19

- 2 कुरिन्थियों 13:14


© 2010 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

## 3. व्यक्तित्व (28:20)

पवित्र आत्मा एक वास्तविक व्यक्तित्व है न कि केवल कोई ईश्वरीय सामर्थ या शक्ति।

त्रिएकता के सदस्य के रूप में पवित्र आत्मा की विश्वास-कथन द्वारा पुष्टि उसके व्यक्तित्व की अंतर्निहित पुष्टि है।

### A. चरित्र (30:27)

पवित्र आत्मा में जो विशेषताएं हैं वे ऐसी हैं जो मनुष्यों में होती हैं :

- इच्छा
- बुद्धि
- संवेदनाएं
- माध्यम


© 2010 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

## B. भिन्नता (38:08)

आत्मा और त्रिएकता के अन्य व्यक्तित्वों में अंतर सदैव पूरी तरह से स्पष्ट नहीं होता।

आत्मा और त्रिएकता के अन्य व्यक्तित्वों में अंतर :

- यूहन्ना 16:7

- रोमियों 8:26-27

## C. संबंध (43:44)

दो दृष्टिकोण :

- अस्तित्व मीमांसा-संबंधी त्रिएकता
    - परमेश्वर के अस्तित्व पर केंद्रित
    - पवित्र आत्मा सामर्थ और महिमा में पिता और पुत्र के समान है
    - तीनों अनश्वर, अनंत, अपरिवर्तनीय हैं और इनमें समान ईश्वरीय चरित्र हैं


© 2010 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

- विधानीय त्रिएकता
    - किस प्रकार परमेश्वर के व्यक्तित्व एक-दूसरे से पारस्परिक संबंध रखते हैं
    - हर व्यक्तित्व के पास भिन्न जिम्मेदारियां, अधिकार और भूमिकाएँ हैं
    - आत्मा पिता और पुत्र के उच्च अधिकार के अधीन है
    - आत्मा की भूमिका निर्देशों को पूरा करना और पिता तथा पुत्र को महिमा देना है

पवित्र आत्मा को त्रिएकता का "तीसरा व्यक्तित्व" कहा जाता है।

## 4. कार्य (48:38)

"मैं पवित्र आत्मा में विश्वास करता हूँ" ने आत्मा के काम के विषय में कई बातों को शामिल किया है।

### A. सृजनात्मक शक्ति (50:04)

परिभाषा : नई वस्तुओं की रचना करने, उन्हें चलाने और रची हुई वस्तुओं को बदलने की सामर्थ।


© 2010 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

## 1. प्राकृतिक जगत (51:48)

आत्मा ने शून्य से संसार की रचना करने में ईश्वरीय सर्व-शक्ति का प्रयोग किया।

- उत्पत्ति 1
- भजन 33:6
- अय्यूब 33:4
- भजन 104:30

पवित्र आत्मा ने अनेक चमत्कार करवाए :

- निर्गमन 17:6 – मूसा को चट्टान से पानी निकालने की सामर्थ दी।
- 1 राजा 17 – विधवा के आटे और तेल को बढ़ाया।
- मती 14-15 – भोजन को बढाने में यीशु को सामर्थ दी।
- रोमियों 8:11 – यीशु को मृतकों में से जीवित किया।
- रोमियों 15:18-19 – पौलुस के चमत्कारों और सेवकाई में सामर्थ दी।
- लूका 1:35 – कुंवारी मरियम को यीशु को जन्म देने के लिए गर्भवती किया (वह एकमात्र कार्य जिसका स्पष्ट रूप से प्रेरितों के विश्वास-कथन में उल्लेख किया गया है।)


© 2010 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

पवित्र आत्मा के पास रचना करने, नया बनाने और परमेश्वर के अभिप्राय के अनुसार सारी सृष्टि को उसकी अंतिम अवस्था में पहुंचाने की सामर्थ है।

## 2. आत्मिक वरदान (55:18)

परिभाषा : अलौकिक शक्तियाँ जो पवित्र आत्मा कलीसिया की बढ़ोतरी के लिए लोगों को देता है।

स्वाभाविक वरदान :

- बुद्धि
- ज्ञान
- सेवा
- शिक्षण
- प्रोत्साहन
- उदारता
- अगुवाई
- दया

अलौकिक दान :

- चंगाई
- चमत्कारी शक्तियाँ


© 2010 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

बीच के दान :

- भविष्यवाणी करना
- अन्य भाषाओँ में बात करना
- अन्य भाषाओँ का अनुवाद करना
- आत्माओं को परखना

आत्मिक वरदानों के मिलते-जुलते दृष्टिकोण :

- सिशेशनिस्ट — पवित्र आत्मा केवल वही वरदान देता है जो स्वाभाविक प्रतिभा जैसे प्रतीत हों।

- कंटिन्यूशनिस्ट — आत्मा अभी भी वही सारे वरदान देता है।

- बीच का दृष्टिकोण — पवित्र आत्मा आज भी अद्‌भुत वरदान दे सकता है जब वह चाहे।

पवित्र आत्मा कलीसिया की भलाई के लिए अपने लोगों को आज भी कुछ आत्मिक वरदान देना जारी रखता है।

## 3. व्यक्तिगत नवीनीकरण (1:01:02)

पवित्र आत्मा परमेश्वर के समक्ष हमारी आत्माओं को जीवित प्रकट करने के द्वारा हमारे अंदर नए जीवन की रचना करता है।

- नवीनीकरण
- नया जन्म


© 2010 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

पवित्र आत्मा हमें ऐसे लोग बनाने के लिए हमारे अंदर कार्य करता रहता है जो प्रभु से प्रेम करें और उसकी आज्ञा मानें।

अंतिम दिन, पवित्र आत्मा सभी विश्वासयोग्य मसीहियों की भौतिक देहों के पुनरुत्थान के लिए अपनी सृजनात्मक शक्ति का प्रयोग करेगा।

## B. पवित्रीकरण (1;04:29)

परिभाषा : लोगों और वस्तुओं को इस उद्देश्य से पवित्र बनाना :

- परमेश्वर के इस्तेमाल के लिए लोगों और वस्तुओं को अलग करने
- उन्हें शुद्ध करने
- उसकी प्रकट महिमा के निकट रहने के लिए उन्हें उपयुक्त बनाने

पवित्र आत्मा की उपस्थिति या सेवकाई से कलीसिया पवित्र होती है।


© 2010 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

पवित्र आत्मा विश्वासियों में वास करने के द्वारा उन्हें पवित्र करता है।

- हमें पाप से शुद्ध करता है
- परमेश्वर के लिए हमें अलग करता है
- हम आत्मा के प्रभाव से आनंदित होते हैं और लाभ उठाते हैं

## C. अनुग्रह (1:08:52)

### 1. सामान्य अनुग्रह (1;09:07)

परिभाषा : सहनशीलता जो परमेश्वर दिखाता है और वह उपकार जो परमेश्वर सब धर्मों के सब लोगों पर करता है।

पवित्र आत्मा सब लोगों को आम अनुग्रह एकसमान रूप में नहीं देता।

- पाप को रोकता है

- ज्ञान देता है


© 2010 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

## 2. वाचा का अनुग्रह (1:11:46)

परिभाषा : वह सहनशीलता और उपकार जो परमेश्वर उन सबको देता है जो उसके वाचा के लोगों के भाग हैं, फिर चाहे वे सच्चे विश्वासी न भी हों।

परमेश्वर प्राचीन इस्राएल के प्रति बहुत ही धैर्यवान और दयावान था।

वह प्रत्येक जो कलीसिया का भाग है उन आशिषों का भागी है जो परमेश्वर संपूर्ण कलीसिया को देता है

## 3. उद्धाररुपी अनुग्रह (1:16:20)

परिभाषा : मसीह के सिद्ध जीवन, मृत्यु, पुनरुत्थान, स्वर्गारोहण, और महिमामय पुनरागमन, उनके लिए जो उसे प्रभु और उद्धारकर्त्ता के रूप में स्वीकार करते हैं, के अनंत उपकारों का प्रयोग।

पवित्र आत्मा के उद्धाररुपी अनुग्रह की आशीषें :

- नया जन्म
- पश्चाताप
- क्षमा
- धर्मी ठहराना
- उद्धार


© 2010 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

## D. प्रकाशन (1:19:39)

पवित्र आत्मा प्रकाशन, गवाही और ज्ञान का दूत है।

"सत्य का आत्मा"

### 1. सामान्य प्रकाशन (1:20:50)

परिभाषा : सारी मनुष्यजाति के समक्ष अपने अस्तित्व, स्वभाव, उपस्थिति, कार्यों और इच्छा को प्रकट करने के लिए परमेश्वर द्वारा प्राकृतिक जगत और उसके कार्य का इस्तेमाल।

सामान्य प्रकाशन प्रकृति में पवित्र आत्मा की सृजनात्मक शक्ति के कार्यों के द्वारा प्रदान किया जाता है।

### 2. विशेष प्रकाशन (1:23:16)

परिभाषा : मानवजाति के एक सीमित हिस्से के समक्ष अपने अस्तित्व, स्वभाव, उपस्थिति, कार्यों और इच्छा को प्रकट करने के लिए परमेश्वर की प्रत्यक्ष भागीदारी, या उसके द्वारा संदेशवाहकों का इस्तेमाल।


© 2010 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

पवित्र आत्मा के विशेष प्रकाशन में यह सब शामिल है :

- पवित्रशास्त्र
- भविष्यवाणियाँ
- स्वप्न
- दर्शन
- स्वर्गदूतों द्वारा भेंट
- अन्य असाधारण माध्यम

सबसे बड़ा विशेष प्रकाशन जो पवित्र आत्मा ने हमें दिया वह था स्वयं यीशु मसीह का देहधारण।

पवित्र आत्मा द्वारा पवित्रशास्त्र का लिखा जाना :

- मत्ती 22:43
- मरकुस 12:36
- प्रेरितों के काम 1:16; 4:25
- 2 तीमुथियुस 3:16-17
- 2 पतरस 1:20-21


© 2010 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

## 3. प्रज्जवलित करना और आंतरिक अगुवाई देना (1:25:39)

कलीसिया को दिया गया पवित्र आत्मा हमें वह समझने में सहायता करेगा जिसकी उसने भविष्यवक्ताओं को प्रेरणा दी।

प्रज्जवलन :

ज्ञान और समझ का एक ईश्वरीय दान जो मुख्यतः बौद्धिक है।

आंतरिक अगुवाई :

ज्ञान और समझ का एक ईश्वरीय वरदान जो मुख्यतः भावनात्मक या संवेदनात्मक है।

प्रज्जवलन और ज्ञान को बाइबल में हमेशा स्पष्ट रूप से अलग-अलग नहीं दर्शाया गया है।

प्रज्जवलन और आंतरिक अगुवाई आम माध्यम हैं जिसका इस्तेमाल पवित्र आत्मा अपने लोगों को वह सत्य सिखाने करने के लिए करता है जिसे उसने प्रकट किया है।


© 2010 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

हमारे जीवनों में इस सेवकाई से लाभ प्राप्त करने के लिए हमें :

- बाइबल का अध्ययन करने के लिए समर्पित होना है
- प्रार्थना के प्रति स्वयं को समर्पित करना है
- एक धर्मी और पवित्र जीवन जीने के लिए स्वयं को अर्पित करना है

## 5. उपसंहार (1:32:02)


© 2010 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

# पुनर्समीक्षा के प्रश्न

1. प्रेरितों का विश्वास-कथन किस प्रकार पवित्र आत्मा के ईश्वरत्व की पुष्टि करता है?

2. पवित्र-आत्मा के ईश्वरत्व के विषय में विश्वास-कथन की शिक्षा का बाइबलीय आधार क्या है?


© 2010 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

3. बाइबल पवित्र आत्मा के कौनसे व्यक्तिगत चरित्रों को दर्शाती है? ये चरित्र किस प्रकार उसके व्यक्तित्व को दर्शाते हैं?

4. पवित्र आत्मा किस प्रकार त्रिएकता के अंदर एक भिन्न व्यक्तित्व के रूप में पिता और पुत्र से अलग है?


© 2010 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

5. पवित्र आत्मा का त्रिएकता के दो अन्य व्यक्तित्वों के साथ क्या संबंध है? पवित्र आत्मा को त्रिएकता का "तीसरा व्यक्तित्व" क्यों कहा जाता है?

6. पवित्र आत्मा की सृजनात्मक शक्ति के बारे में चर्चा करें और स्पष्ट करें कि प्राकृतिक जगत, आत्मिक वरदानों और मानवीय आत्माओं और हृदयों के व्यक्तिगत नवीनीकरण में इसे कैसे देखा जाता है।


© 2010 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

7. पवित्रीकरण क्या है और किस प्रकार पवित्र आत्मा परमेश्वर के लोगों को पवित्र करने में कार्य करता है?

8. उन भिन्न रूपों की चर्चा करें जिसमें पवित्र आत्मा ईश्वरीय अनुग्रह को प्रदान करता है।


© 2010 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

9. प्रकाशन के तीन पहलू कौन-कौनसे हैं, और पवित्र आत्मा किस प्रकार अपनी इच्छा को प्रकट करने में प्रत्येक पहलू में कार्य करता है?


© 2010 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

# उपयोग के प्रश्न

1. किस प्रकार आत्मा के ईश्वरत्व के बारे में हमारा ज्ञान हमारे प्रार्थना के जीवन को प्रभावित करना चाहिए?

2. किन रूपों में आप पवित्र आत्मा को अवैयक्तिक शक्ति के रूप में समझने लग जाते हैं?

3. आपने अपने जीवन में ऐसे कौनसे प्रमाण देखे हैं जिनमें आत्मा आप पर उद्धार को लागू कर रहा है?

4. यदि पवित्र आत्मा की एक भूमिका परमेश्वर के अभिप्राय के अनुसार उस अंतिम दशा में सृष्टि का नवीनीकरण करना है, तो हमें हमारे चारों ओर की सृष्टि से किस प्रकार व्यवहार करना चाहिए?

5. समय निकालकर अपने वरदानों और योग्यताओं को लिखें। ये किस प्रकार से कलीसिया की बढ़ोतरी के लिए आपको दिए गए पवित्र आत्मा के वरदान हो सकते हैं?

6. किन क्षेत्रों में आपको अपने जीवन में आत्मा के निरंतर पवित्रीकरण की सबसे अधिक जरुरत है?

7. किन रूपों में मसीही परमेश्वर के लिए अलग किए गए हैं?

8. आप अपने चारों ओर, यहाँ तक कि अविश्वासियों के बीच भी आत्मा के अनुग्रह को किस प्रकार देखते हैं?

9. आप अपने जीवन में आत्मा के प्रज्जवलन और आंतरिक अगुवाई का अधिक इस्तेमाल कैसे कर सकते हैं?

10. इस अध्याय में आपने कौनसी सबसे महत्वपूर्ण बात सीखी है?


© 2010 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org